सा विद्या या विमुक्तरे

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179



Completion Report

Seminar on "Environment Sustainability and Pollution Control"

The seminar on "Environment Sustainability and Pollution Control" was held on 27.08.2022 at Govt. P. G. College, Guna (MP). IQAC provided funding for the seminar. This event was organized by the Department of Chemistry with the objective of raising awareness, promoting dialogue, and sharing best practices on environmental sustainability. The seminar aimed to bring together experts, professionals, policymakers, and community members to discuss challenges, explore solutions, and foster collaboration toward a more sustainable future.

The seminar program consisted of a comprehensive agenda covering a wide range of topics related to environmental sustainability and pollution control. The program included:

Opening Ceremony:

- 1. Welcome address by Dr. B. K. Tiwari, Principal of Govt. Govt. P. G. College, Guna.
- 2. Introduction to the seminar's theme and objectives by Dr. Suman Lata Shrivastava, Head, Department of Chemistry, Govt. Govt. P. G. College, Guna.

Keynote Speech:

Keynote speakers Dr. Saket Verma, Head of the Department and General Manager, Ireo Pvt. Ltd., Dr. Rishi Saxena, BKD University, Jhansi (UP), and Dr. Nitish Kumar Gupta, Department of Applied Chemistry, SGSITS, Indore (MP) delivering the keynote address on the importance of environmental sustainability and pollution control and its impact on various aspects of society. Expert speakers and presenters shared valuable knowledge, research findings, and practical insights on environmental sustainability. The seminar on Environment Sustainability witnessed active participation and achieved several notable highlights and achievements. Participants gained a deeper understanding of the challenges and opportunities associated with sustainable practices and their significance in addressing environmental issues.

Presentations:

- 1. Multiple presentations by subject matter experts highlighting key issues, trends, and innovative approaches related to environmental sustainability and pollution control.
- 2. The presentations covered topics such as renewable energy, waste management, biodiversity conservation, sustainable agriculture, and climate change mitigation and adaptation.

Panel Discussions:

- 1. Engaging in panel discussions featuring experts from diverse backgrounds, including academia, industry, and government.
- 2. The panels discussed challenges, opportunities, and potential solutions in achieving environmental sustainability goals.

सा विद्या या विमुक्तरे

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Email : hegpgcgun@mp.gov.in



Closing Ceremony:

Thank you notes from Dr. Rinku Singh Kansana and acknowledged to speakers, and participants.

Future Recommendations

Based on the outcomes and feedback from the seminar, the following recommendations are proposed for future events focusing on environmental sustainability and pollution control.

Conclusion:

The seminar on "Environment Sustainability and Pollution Control" served as a significant platform for knowledge sharing, collaboration, and inspiration toward building a sustainable future. Through engaging presentations, panel discussions, and interactive sessions, participants gained valuable insights, expanded their networks, and identified practical approaches to address environmental challenges. The seminar contributed to raising awareness and empowering individuals and organizations to take collective action for a more sustainable and resilient planet.



Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641

सा

51641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

IQAC Arriver Arriver Gorf C Calege (Guard M²)

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Brochure



Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

सा विद्या या विमुक्तरे

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in



Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Photographs



Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)



Phone No.: 07542-251641

Email : hegpgcgun@mp.gov.in



Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

NEWS



गुना भास्कर 28-08-2022



भारकर संवाददाता गन

पर्यावरण की गुणवत्ता बनाए रखने के दीर्घकालिक परियोजनाएँ लिए आवश्यक हैं। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल भी अनिवार्य है ताकि आगामी पीढ़ी के लिए हम एक स्वस्थ एवं हरी -भरी वसुंधरा की विरासत छोड़ सकें।

शासकीय विचार उक्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ताओं ने व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गैल इंडिया सीएसआर के उप महाप्रबंधक अजेश मणि त्रिपाठी थे। प्राचार्य डॉ. बीके तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण जैसे जरूरी मुद्दे पर इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में होने वाले विचार मंथन से समस्त प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। प्राचार्य ने कहा कि गेल ने के मे माध्यम सीएसआर महाविद्यालय के विकास में अपना



गुना। संगोष्ठी में स्मारिका का विमोचन करते अतिथि एवं प्राध्याापक ।

है। दिया महत्वपूर्ण योगदान आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. निरंजन श्रोत्रिय ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति तो कर सकती है लेकिन लालच की नहीं। पर्यावरण की चिन्ता औपचारिक न होकर हमारी संवेदना का हिस्सा होना चाहिए। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वीपी श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण का महत्व

बताते हुए कहा कि यदि सौ सघन पेड़ लगाए जाएँ तो वे वातावरण के प्रदूषक तत्वों को अवशोषित कर सकते हैं। मुख्य अतिथि अजेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि पर्यावरणीय दीर्घकालिता एवं प्रदूषण नियंत्रण आज की महती आवश्यकता है । उन्होंने महाविद्यालय के पर्यावरण संबंधी किसी भी परियोजना के लिए गैल प्रबंधन के सहयोग का भी आश्वासन दिया। स्मारिका का ने विमोचन किया। अतिथियों संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुमनलता श्रीवास्तव ने आभार व संचालन डॉ.

कल्पना रायकवार ने किया। तकनीकी सत्र में अन्य प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। जिनमें डॉ. प्रभा भिरोरिया, डॉ. हरिओम खटीक, डॉ. मनोज भिरोरिया, डॉ. ज्योति सोनी, डॉ. शकुन्तला प्रजापति, डॉ. प्रवीण चौधरी, विकास ज्योति सोनी, डॉ. यादव, पलक जैन, पूनम चौरसिया, नंदनी भार्गव, शिवानी कुशवाह, मिनी नामदेव, रचिता सिंह सिसोदिया एवं रिंकी चिडार प्रमुख थे। इस सत्र का संचालन अशोक अहीरवार ने किया। समस्त प्राध्यापक, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

'ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा' का महत्व बतायाः कार्यक्रम के वक्ता डॉ. साकेत वर्मा (गुड़गाँव) ने 'स्टेट ऑफ क्लाइमेट' विषय पर व्याख्यान में सिंगल यूज प्लास्टिक

के नियंत्रित उपयोग पर जोर दिया। इस समय ग्लोबल वार्मिंग ਸੱ कारण पर्यावरणीय संरचना भयावह परिवर्तन हो रहे हैं। उन्होंने 'ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा' का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा कि इसे इन दिनों महानगरों में व्यापक तौर पर अपनाया जा रहा है।रिड्यूस, रीयूज तथा रिसाइकिल की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति में कोई भी पदार्थ अपशिष्ट नहीं होता, जरूरत केवल प्रबंधन की है।

आगामी पीढ़ी को हम स्वच्छ व वसंधरा दें : एसजीएस आईटीएस इंदौर से आए डॉ. नीतिश गुप्ता ने 'पर्यावरण को आपकी सहायता चाहिए' विषय पर शोध वक्तव्य देते हुए कहा हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण प्रयोग करना चाहिए। ताकि आगामी पीढ़ी के लिए हम स्वच्छ और हरी -भरी वसुंधरा की धरोहर छोड़ कर जा सकें।